

 <p>Estd. 1962 "A++" Accredited by NAAC(2021) With CGPA 3.52</p>	<p><b>SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR - 416 004 MAHARASHTRA</b>  PHONE: EPBX - 2609000 FAX:0091-0231-2691533 &amp; 0091-0231-692333  DLL 02312609091,2609135 Website : <a href="http://www.unishivaji.ac.in">www.unishivaji.ac.in</a> E-mail : <a href="mailto:affiliation.t2@unishivaji.ac.in">affiliation.t2@unishivaji.ac.in</a>  Website Conduit : (1) Affiliation→Affiliation T2 Circulars(2) Affiliation →Affiliation T2 Information Lists</p> <p><b>शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर - ४१६ ००४ महाराष्ट्र</b>  दूरध्वनी ईपीबीएक्स- २६०९०००, फॅक्स ००९१०२३१२६९१५३३ व ००९१०२३१६९२३३३  संलग्नता टी २ विभाग थेट दूरध्वनी क्र. ०२३१ २६०९०९१,२६०९१३५</p>	
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------

संदर्भ क्र./संलग्नता/टी-२/शासन टे./

No 2222

दि.

28 JAN 2025

: परिपत्रक :

प्रति,

मा. प्राचार्य / संचालक,

सर्व संलग्नित महाविद्यालये / संस्था,

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर.

विषय :- संस्था व महाविद्यालय, यांच्याशी संबंधित नसलेल्या अर्जदारांकडून प्राप्त झालेल्या अर्जावर करावयाच्या कार्यवाहीबाबत.....

संदर्भ :- महाराष्ट्र शासन उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग, मंत्रालय विस्तार मादाम कामा मार्ग, हुतात्मा राजगुरु चौक, मुंबई यांचे संदर्भ क्र. संकीर्ण-२०२४/HTED-२०११/३३/२०२४-MHT/समन्वय कक्ष, दि. १६.०१.२०२४ रोजी प्राप्त झालेले पत्र.

महोदय/महोदया,

उपरोक्त विषय व संदर्भित पत्रास अनुसरून आपणांस कळविण्यात येते की, उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग व शालेय शिक्षण विभागाकडे तसेच या विभागांतर्गत येणा-या शैक्षणिक संस्था/ विद्यापीठे/ महाविद्यालय यांच्याकडे संबंधित नसलेल्या व्यक्तीकडून संस्थेविषयी/ विद्यापीठ/ कर्मचा-यांविरुद्ध केलेल्या तक्रारीचे अर्ज प्राप्त होत असतात. अशा तक्रार अर्जाबाबत करावयाच्या कार्यवाही करिता मा. उच्च न्यायालय येथे दाखल रिट याचीका क्र. २४९२/२०२४ मध्ये दिनांक २३.१०.२०२४ रोजी न्यायनिर्णय दिला असून सदर न्याय निर्णयाची प्रत सोबत जोडली आहे. याअनुषंगाने योग्य ती कार्यवाही करावी.

कळावे,

आपला विश्वासू,



डॉ. पी. एस. पांडव

उपकुलसचिव

संलग्नता टी-२ विभाग

सोबत - शासन पत्र जोडले आहे.



महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग, मंत्रालय विस्तार,  
मादाम कामा मार्ग, हुतात्मा राजगुरु चौक, मुंबई-४०० ०३२  
Email ID:- do.asthahte-mh@gov.in



क्रमांक:- संकीर्ण-२०२४/ HTED-2011/33/2024-MHT /समन्वय कक्ष दिनांक :- १६.०१.२०२४  
प्रति,

१. आयुक्त, राज्य सामाईक प्रवेश परीक्षा कक्ष, ८ वा मजला, न्यू एक्सलसिअर इमारत, ए. के. नायक मार्ग, फोर्ट, मुंबई-४०००११.
२. सचिव, प्रवेश नियामक प्राधिकरण, ८ वा मजला, न्यू एक्सलसिअर इमारत, ए. के. नायक मार्ग, फोर्ट, मुंबई-४०००११.
३. संचालक, महाराष्ट्र राज्य तंत्रशिक्षण मंडळ, ४९, खेरवाडी, वांद्रे (पू), मुंबई-४०००५१.
४. संचालक, (उच्च शिक्षण/तंत्र शिक्षण/कला/ग्रंथालय), महाराष्ट्र राज्य, मुंबई/पुणे.
५. कुलसचिव, उ. व तं. शि विभागांतर्गत येणारी विद्यापिठे
६. संचालक, (उच्च शिक्षण/तंत्र शिक्षण/कला/ग्रंथालय), महाराष्ट्र राज्य, मुंबई/पुणे.
७. कुलसचिव, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर तंत्रशास्त्र विद्यापिठ, लोणेरे, ता. माणगांव, जि. रायगड.

विषय - विभागाच्या अधिनस्त संस्था व महाविद्यालय यांच्याशी संबंधित नसलेल्या अर्जदारांकडून प्राप्त झालेल्या अर्जावर करावयाच्या कार्यवाहीबाबत.

संदर्भ - मा.उच्च न्यायालय, मुंबई येथील रिट याचिका क्रमांक २४९२/ २०२४ या प्रकरणी दिलेल्या दिनांक २३.१०.२०२४ चा न्यायनिर्णय .

महोदय,

उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग व शालेय शिक्षण विभागाकडे तसेच या विभागांतर्गत येणाऱ्या शैक्षणिक संस्था / विद्यापीठे / महाविद्यालय यांच्याकडे त्यांच्याशी संबंधित नसलेल्या व्यक्तींकडून संस्थेविषयी / विद्यापीठ / कर्मचाऱ्यांविरुद्ध केलेल्या तक्रारीचे अर्ज प्राप्त होत असतात. अशा तक्रार अर्जाबाबत करावयाच्या कार्यवाही करिता मा. उच्च न्यायालय येथे दाखल रिट याचिका क्र. २४९२/२०२४ मध्ये दिनांक २३.१०.२०२४ रोजी न्यायनिर्णय दिला असून सदर न्याय निर्णयाची प्रत सोबत जोडली आहे.

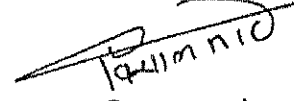
मा. न्यायालयाच्या सदर निर्णयातील परिच्छेद ५ ते १० मध्ये खालील बाबी नमूद केले आहेत.

- ५. Time and again, we have cautioned the State Authorities not to entertain the applications filed by social workers or bystanders or persons unconnected with the organization and who have not suffered any personal legal injury.
- ६. In several cases, we have noticed that the persons describing themselves as social workers, lodge complaints against teachers and professors working in Schools, Colleges and Universities and hold out threats to the education department to compel them to commence roving inquiries against such employees. We have directed that such complaints should not be entertained. In some matters, we have also held that, Writ Petitions filed by such persons who intend to settle a personal score or pray for roving inquiries, should not be entertained.
- ७. The learned Senior Advocate appearing for the Petitioners submits that Respondent No. ५ herein, has lodged several complaints against the Petitioner Institution and has also started filing RTI applications seeking personal information about the employees and the management of the Institution, though he is completely unknown and unconnected with the institution.
- ८. Respondent No. ६ – Dr. Bhausaheb B. Chavan, who is the Deputy Director of Education, Nashik, has tendered an affidavit in reply from page १०१, along with several documents, upto page १५५. He has tendered an apology and has categorically stated that the impugned orders and the impugned notices issued by him, stand withdrawn, forthwith. He further submits that after noticing several orders passed by this Court, which have been referred to herein above, he has stopped entertaining the complaints filed by strangers or bystanders and would not entertain such complaints anytime in future.
- ९. We were contemplating suo moto action against Respondent No.६, since we find that though he was aware of our earlier orders referred to in the above paragraphs, for reasons best known to him, he has wholeheartedly entertained the applications of Respondent No. ५ and has highhandedly issued an order to register an FIR against one senior member of the Management to register Management.
- १०. Respondent No.५ appears to be habituated to holding out threats of self immolation, before various Deputy Directors of Education. Some of such complaints are placed before us by Respondent No.६, along with his affidavit in reply. These threats are aimed at terrorising the Government Officials. In view of

such circumstances, we permit Respondent No.6 to lodge police complaints against Respondent No.4, whenever he holds out a threat of self-immolation or any such precipitative action or threat of fasting, etc., more so, in the light of the judgment delivered by this Court [Coram: Abhay S Oka (as His Lordship then was) and Sandeep K Shinde, JJ], on 12.12.2014, in Writ Petition no. 4949 of 2014 Balasaheb Vitthalrao Tidke v/s The state and another at the principal seat

मा. उच्च न्यायालयाने दिलेल्या न्यायनिर्णयाबाबत आपल्या अधिनस्त संस्था /महाविद्यालय यांना अवगत करावी, ही विनंती.

आपला,



(विशाल तारे)

कक्ष अधिकारी, महाराष्ट्र शासन

प्रत,

१. मा. अप्पर मुख्य सचिव, उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग, यांचे स्वीय सहायक, मंत्रालय, मुंबई.
२. निवड नस्ती (समन्वय कक्ष).